भारत सरकार

पोत परिवहन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **3415** जिसका उत्तर

गुरूवार, 15 मार्च, 2018/24 फाल्गुन, 1939 (शक) को दिया जाना है

सागरमाला कार्यक्रम के अंतर्गत परियोजनाएं

3415. डॉ. उदित राजः

श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रनः

क्या **पोत परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सागरमाला कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यान्वित की गई विभिन्न परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) क्या सरकार को केरल सरकार से सागरमाला कार्यक्रम के अंतर्गत परियोजनाओं के समेकन हेतु कोई प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर क्या निर्णय लिया गया है;

(ग) क्या सरकार को इन परियोजनाओं के कार्यान्वयन के कारण तटीय क्षेत्रों में रह रहे लोगों की चिंताओं की जानकारी है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा ऐसी चिंताओं के समाधान हेतु क्या उपचारात्मक उपाय किए गए हैं/किए जा रहे हैं;

(ङ) सागरमाला कार्यक्रम के अंतर्गत परियोजनाओं को पूरा करने के लिए निर्धारित समय सीमा क्या है और उक्त प्रयोजनार्थ कुल अनुमानित व्यय कितना है; और

(च) उक्त के लिए आवश्यक निधियों की व्यवस्था किस तरीके से की जाएगी?

उत्तर

पोत परिवहन राज्य मंत्री

(श्री पोन्. राधाकृष्णन्)

(क) और (ड.): भारत की 7500 कि.मी. लंबी तटरेखा, 14500 कि.मी. की क्षमता के नौचालन जलमार्गों तथा मुख्य अंतर्राष्ट्रीय समुद्री व्यापार मार्गों पर महत्वपूर्ण स्थान का उपयोग करते हुए देश में पत्तन आधारित विकास को बढ़ावा देने के लिए सागरमाला पोत परिवहन मंत्रालय का महत्वपूर्ण कार्यक्रम है।

सागरमाला कार्यक्रम के अंतर्गत, अगले 20 वर्षों के कार्यान्वयन के लिए 8 लाख करोड़ रुपए से अधिक के अनुमानित निवेश पर 542 परियोजनाओं की पहचान की गई है। इन 542 परियोजनाओं में से, लगभग 2.17 लाख करोड़ रुपए के मूल्य की 289 परियोजनाएं पहले से ही कार्यान्वनाधीन एवं विकास के विभिन्न चरणों के तहत है।

(ख): जी हां, सागरमाला कार्यक्रम में शामिल करने के लिए केरल सरकार से निम्नलिखित प्रस्ताव प्राप्त हुए है:-

क्र.सं.	**केरल से परियोजना के प्रस्ताव**	**की गई कार्रवाई**
1.	कोल्लम पर बहुविध तटीय बर्थ का निर्माण	पोत परिवहन मंत्रालय ने 7.24 करोड़ रुपए स्वीकृत किए है और 3.62 करोड़ रुपए पहले ही जारी कर दिए है।
2.	बेपोर पत्तन से नदी की तरफ से पत्तन सड़क का विकास	परियोजना को भारतमाला कार्यक्रम के अंतर्गत माना गया है।